मध्यकालीन भारतीय समाज

आलोक कुमार

मध्यकाल में वेशभूषा समय तथा स्थान के अनुसार होती थी। शासक वर्ग तथा सामान्य वर्ग के वेशभूषा में काफी अन्तर होता था। आरम्भिक सुल्तान अपने सर पर 'कुलह' (लम्बी टोपी) धारण करते थे। शीत काल में सुल्तान ओवर कोट की तरह 'दागला' पहनते थे। हुमायूँ वेशभूषा का बहुत शौकीन था, उसने विभिन्न प्रकार के पहनावों का प्रचलन किया, जिन में 'उलबग्चा' प्रमुख था। बदायूँनी के अनुसार हुमायूँ तथा अकबर की वेशभूषा में इतनी रूची थी कि वे प्रतिदिन नक्षत्र के अनुसार ही वस्त्र धारण करते थे। अकबर के सम्बन्ध में मान्सरेट लिखता है कि,''बादशाह सिल्क के कपड़े पर सोने के सुन्दर काम किये हुए वस्त्रों को धारण करता था।''